भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2910

उत्तर देने की तारीख 13 अगस्त, 2026 (गुरूवार)

22 श्रावण, 1948 (शक)

प्रश्न

विनिमय कार्यक्रम

2910 **श्री देवेन्द्र प्रताप सिंहः**

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने राष्ट्रीय एकीकरण संबंधी योजनाओं के समन्वय से छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच छात्र एवं युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो इन पहलों के अंतर्गत प्रतिभागियों की सहभागिता का स्तर तथा प्राप्त किए गए अंतर-सांस्कृतिक अधिगम से संबंधित ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पूर्वोत्तर क्षेत्र की बांस की हस्तकला तथा जैविक खेती की सर्वोत्तम पद्धतियां छत्तीसगढ़ के जनजातीय शिल्पकारों के साथ साझा की जा रही हैं; और

(घ) इन पहलों से सृजित आजीविका संबंधी परवर्ती लाभों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) और (ख): उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 1 नवंबर 2025 को "अष्टलक्ष्मी दर्शन - युवा विनिमय कार्यक्रम" नाम की एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना, भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देना, लोगों के बीच आपसी संबंध बढ़ाना और युवाओं में पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में समझ को बेहतर बनाना है। इसके लिए चौदह (14) दिन का गहन अनुभव दिया जाता है (जिसमें 9 दिन का शैक्षणिक पाठ्यक्रम होता है जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र का भूगोल, संस्कृति, शासन और विविधता शामिल होती हैं - और 5 दिन का फील्ड एक्सपोजर होता है - जिसमें विरासत स्थलों, उद्योगों और पारिस्थितिक अंचलों का दौरा शामिल है)। इस कार्यक्रम के तहत, छत्तीसगढ़ के 20 छात्रों ने 15 से 28 मार्च 2026 तक आईआईटी गुवाहाटी, असम का दौरा किया।

(ग) और (घ): आदि महोत्सव, जो जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड) की एक महत्वपूर्ण पहल है, एक वार्षिक राष्ट्रीय कार्यक्रम है जो भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत, संस्कृति, पारंपरिक कला और शिल्प, खान-पान और व्यापार को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। आदि महोत्सव 2026 का आयोजन 14 से 21 फरवरी 2026 तक अगरतला, त्रिपुरा में किया गया था। इस महोत्सव में पूर्वोत्तर क्षेत्र और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ दूसरे राज्यों के जनजातीय कारीगर भी शामिल हुए थे।

*****